कक्षा - 10

समकालीन भारत - 2

अध्याय - 1

संसाधन एवं विकास

भाग - 2

पंकज वैष्णव



ipca
A dose of life

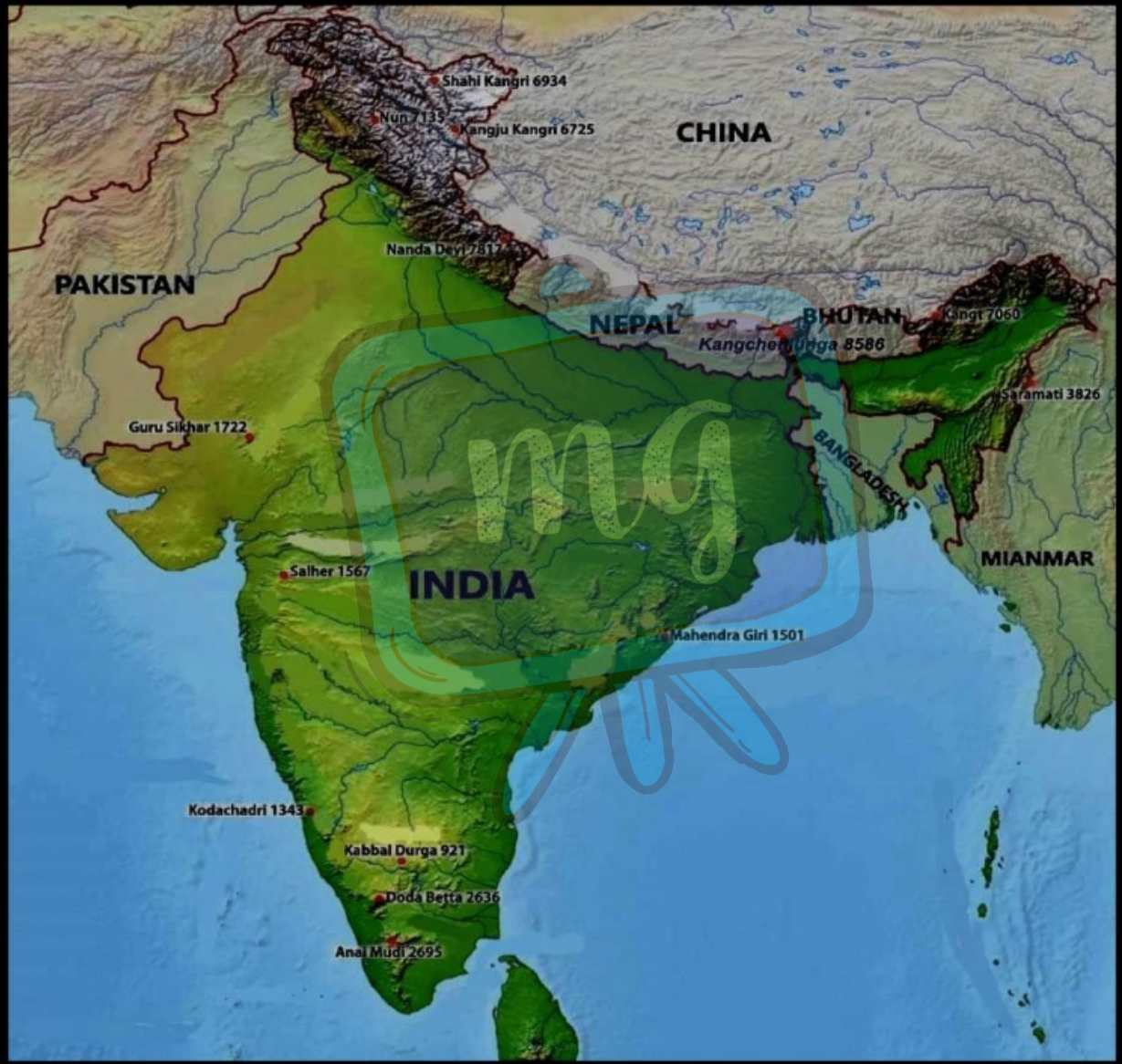

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधन एवं विकास

Q _ _ _ _

संसाधन

हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तुः-

(a)

(b)

(c)

(d)

- जो आवश्कताओं को पूरा करने में प्रयुक्त
- जिसको बनाने के लिए प्रौद्योगिकी उपलब्ध
- जो आर्थिक रूप से संभाव्य
- जो सांस्कृतिक रूप से मान्य

संसाधन एवं विकास

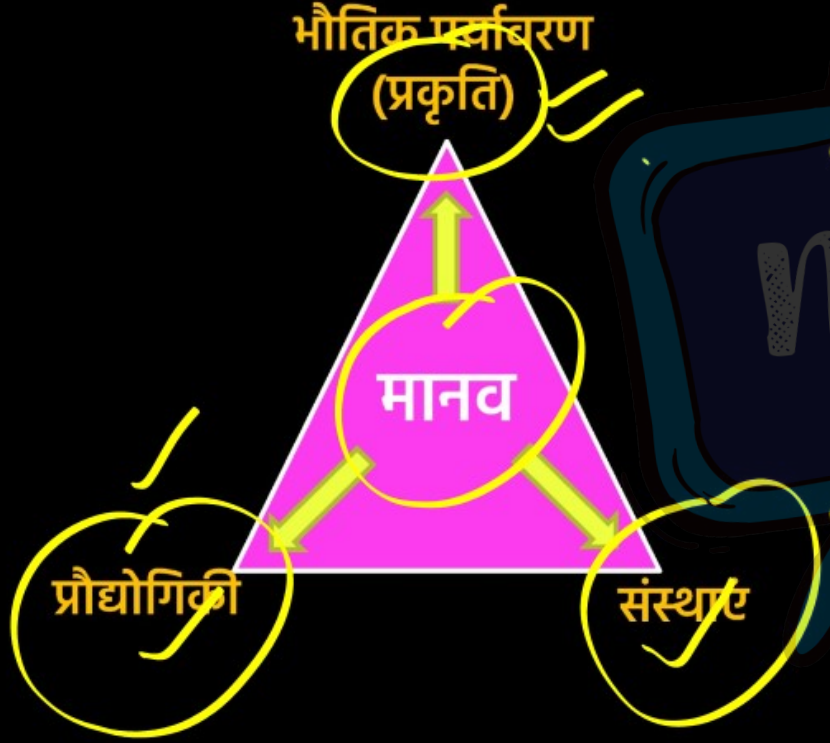

प्रकृति, प्रौद्योगिक और संस्थाओं के मध्य अन्तर्सम्बन्ध

- हमारे पर्यावरण में उपलब्ध वस्तुओं की रुपांतरण प्रक्रिया प्रकृति, प्रौद्योगिकी और संस्थाओं के पारस्परिक क्रियात्मक संबंध में निहित है।
- मानव, प्रौद्योगिकी द्वारा प्रकृति के साथ क्रिया करते हैं और अपने आर्थिक विकास की गति को तेज़ करने के लिए संस्थाओं का निर्माण करते हैं।

संसाधन एवं विकास

- संसाधन मानवीय क्रियाओं का परिणाम है।
- वे पर्यावरण में पाए जाने वाले पदार्थों को संसाधनों में परिवर्तित करते हैं तथा उन्हें प्रयोग करते हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

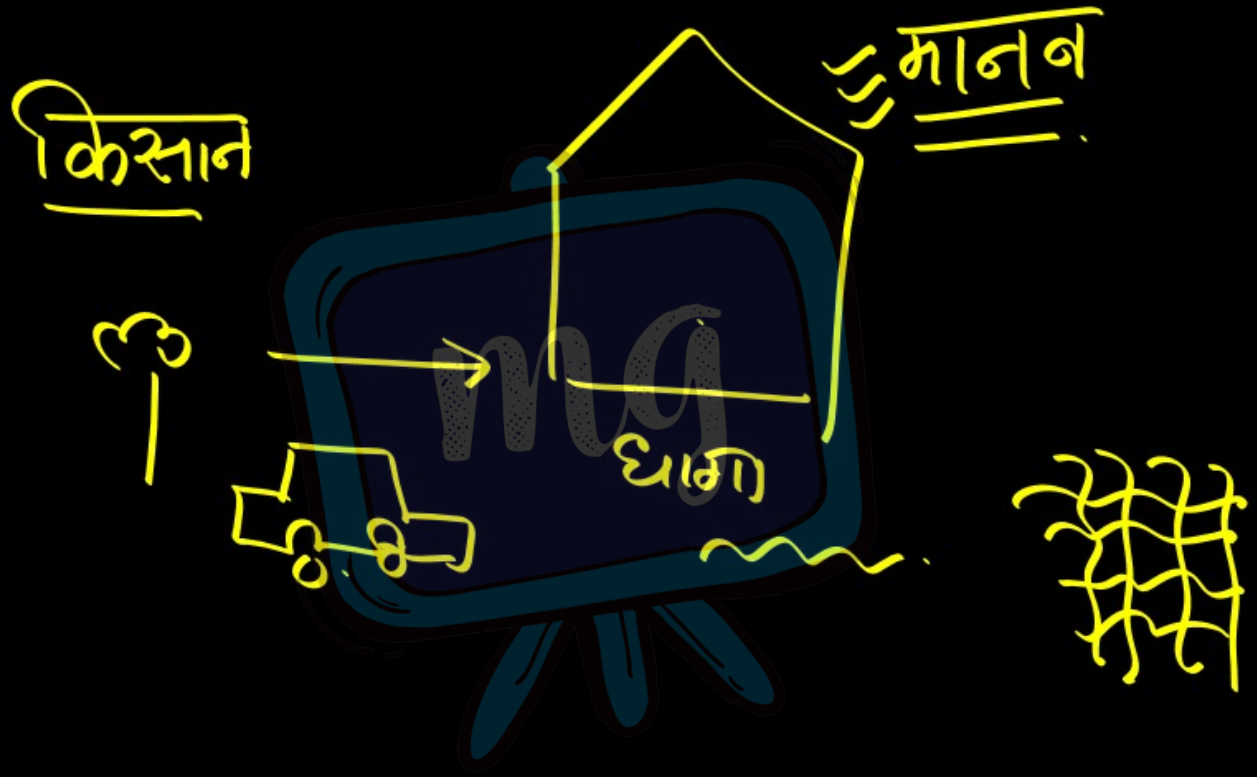

संसाधन एवं विकास

संसाधनों का वर्गीकरण

(क) उत्पत्ति के आधार पर :- जैव, अजैव

(ख) समाप्यता के आधार पर :- नवीकरणीय, अनवीकरणीय

(ग) स्वामित्व के आधार पर :- व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय

(घ) विकास के स्तर के आधार पर :- विकसित, संभावी, भंडार, संचित कोष

संसाधन एवं विकास

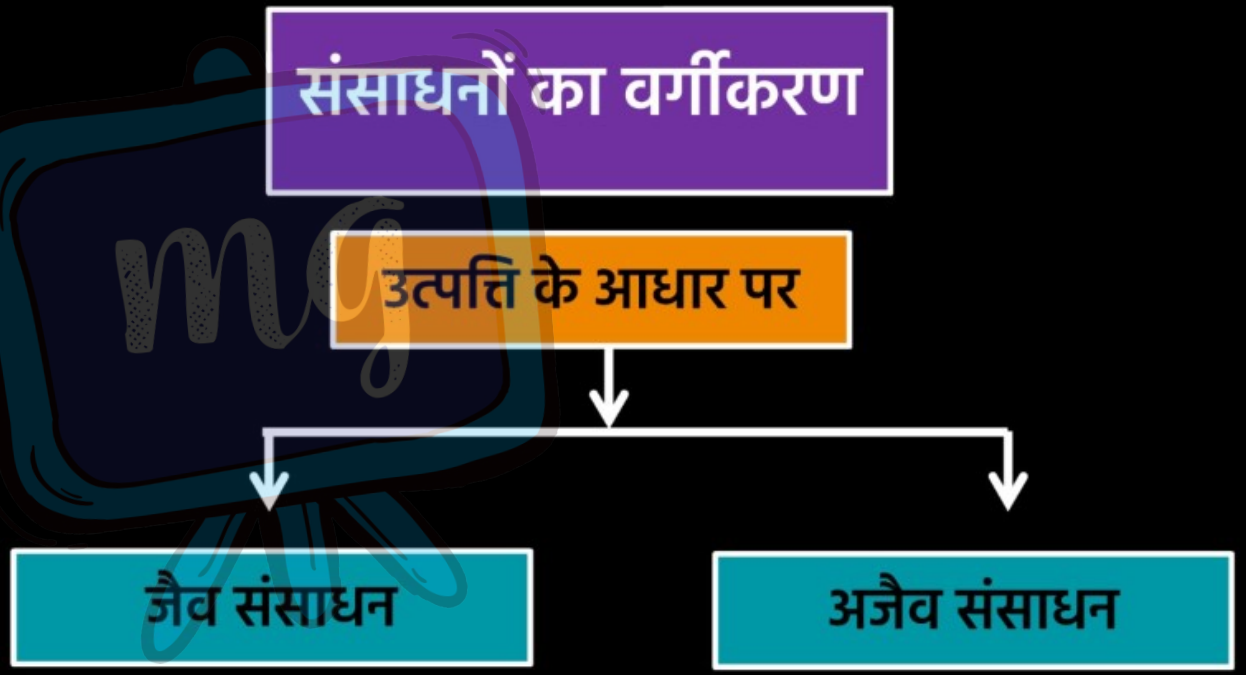

संसाधन एवं विकास



जैव संसाधन

- जिन संसाधनों की प्राप्ति जैव मण्डल से होती है तथा
- जिनमें जीवन व्याप्त है

जैसे:- मनुष्य, वनस्पतियाँ, पशु, मत्स्य जीवन, आदि।

संसाधन एवं विकास



अजैव संसाधन

- निर्जीव वस्तुओं से बने सारे संसाधन ।

जैसे:- चट्टाने, धातुएँ

संसाधन एवं विकास

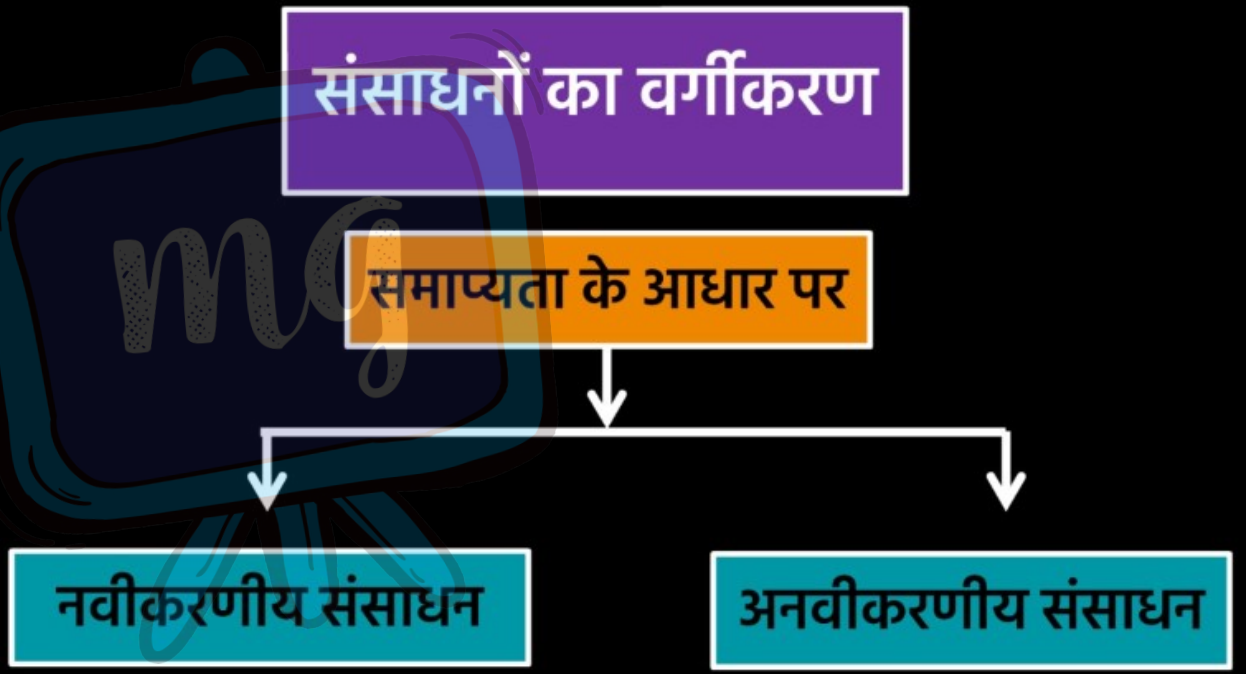

संसाधन एवं विकास





नवीकरणीय संसाधन

- वे संसाधन जिन्हें भौतिक, रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रियाओं द्वारा नवीकृत या पुनः उत्पन्न किया जा सकता है।

जैसे:- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल, वन ।

संसाधन एवं विकास





अनवीकरणीय संसाधन

- वे संसाधन जो एक बार उपयोग करने के बाद खत्म हो जाते है।
- इन संसाधनों के बनने में हजारों, लाखों वर्ष लग जाते हैं।

जैसे:- तेल, कोयला आदि।

संसाधन एवं विकास

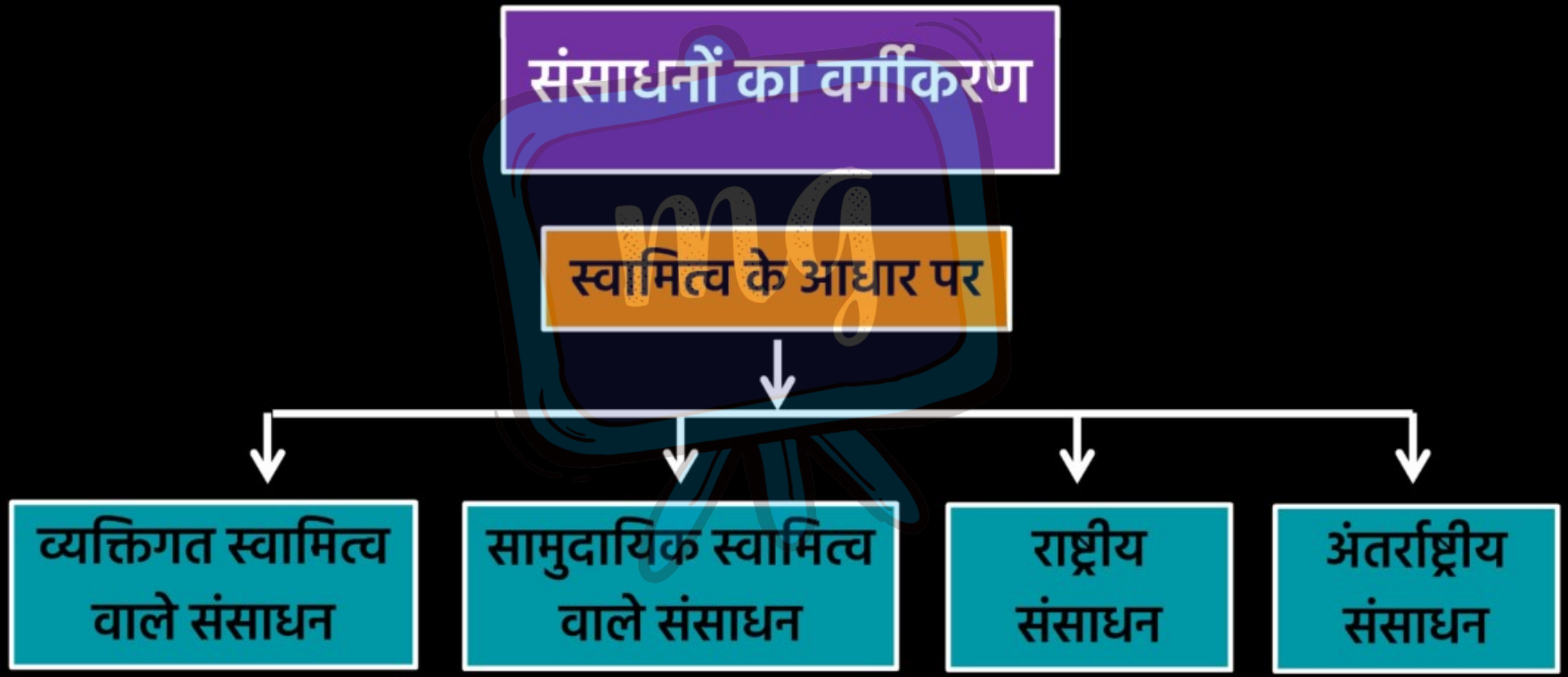
संसाधनों का वर्गीकरण
स्वामित्व के आधार पर
व्यक्तिगत स्वामित्व वाले संसाधन
सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन
राष्ट्रीय संसाधन
अंतर्राष्ट्रीय संसाधन

संसाधन एवं विकास





व्यक्तिगत संसाधन

- जिन संसाधनों का स्वामित्व निजी व्यक्तियों के हाथों में होता है।

जैसे:- भूखण्ड, घर, वाहन, किसान का खेत या अन्य सम्पत्ति जिनके मालिक निजी व्यक्ति होते है।

संसाधन एवं विकास





सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन

- जिन संसाधनों का स्वामित्व समुदाय के सभी सदस्यों को उपलब्ध होता है।
- वे सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन होते है।

जैसे:- सार्वजनिक पार्क, पिकनिक स्थल, खेल के मैदान

संसाधन एवं विकास





राष्ट्रीय संसाधन

- देश में पाए जाने वाले सारे संसाधन तकनीकी तौर पर राष्ट्रीय संसाधन कहलाते हैं।

जैसे:- सड़के, नहरें, रेल-लाइनें, खनिज, नदियां, वन

- देश की सरकार को कानूनी अधिकार है कि वह व्यक्तिगत संसाधनों को भी आम जनता के हित में अधिग्रहित कर सकती है।

संसाधन एवं विकास



राजनीतिक सीमाओं के अंदर सारे खनिज पदार्थ, जल संसाधन, वन, वन्य जीव, सारी भूमि और 12 समुद्री-मील (22.2 किमी.) तक महासागरीय क्षेत्र व इसमें पाए जाने वाले संसाधन राष्ट्र की संपदा हैं।

संसाधन एवं विकास

अंतर्राष्ट्रीय संसाधन

- वे संसाधन जिन पर किसी एक देश का अधिकार नहीं होता
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा शासित/नियंत्रण



जैसे:- 200 किलोमीटर से आगे के समुद्री संसाधनों को खुले महासागर के रूप में जाना जाता है, और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों (अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन-IMO, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण-ISA) की मंजूरी के बिना, कोई भी देश इन पर कोई दावा नहीं कर सकता।

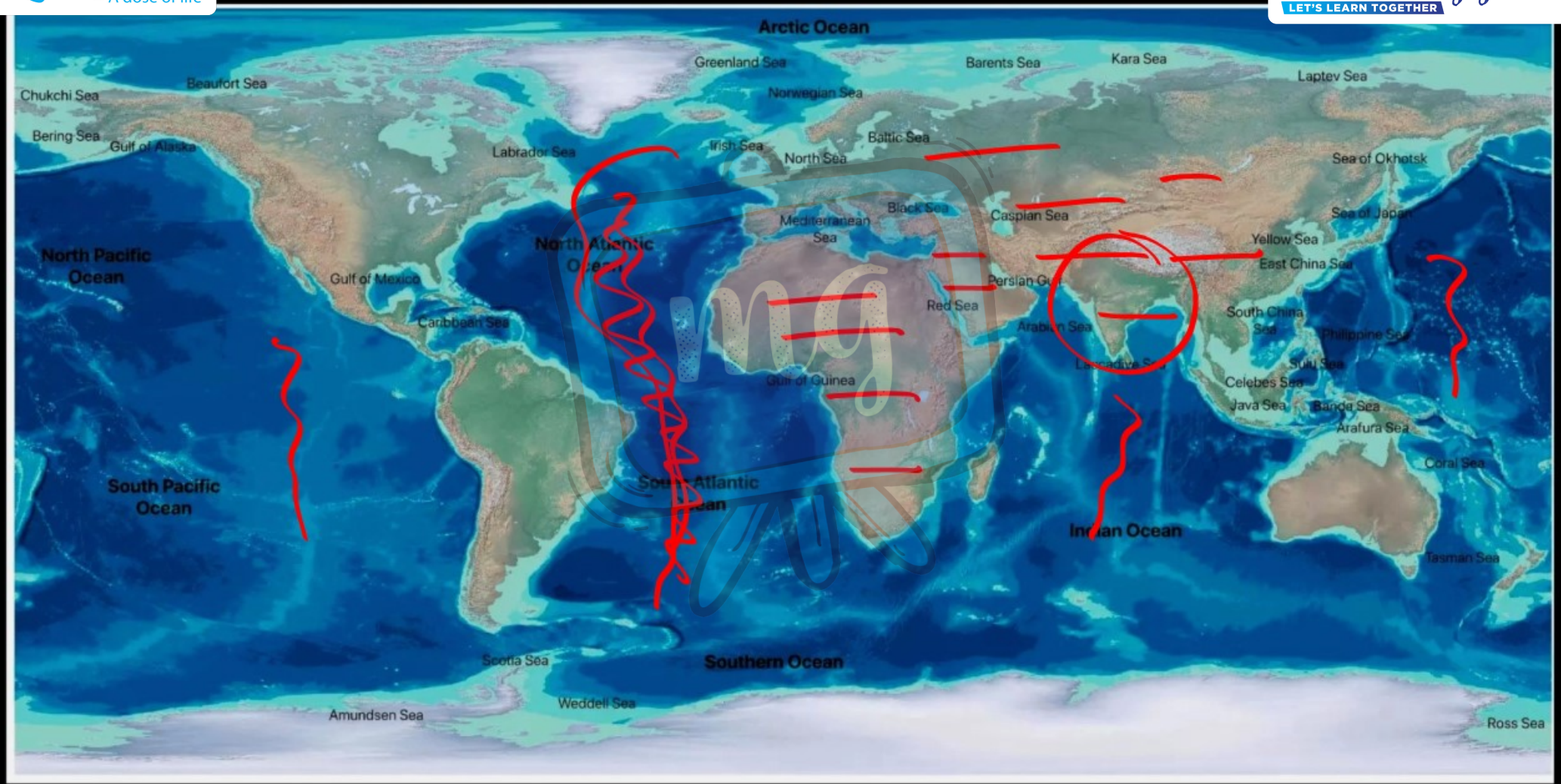
Arctic Ocean
Greenland Sea
Barents Sea
Kara Sea
Laptev Sea
Beaufort Sea
Chukchi Sea
Norwegian Sea
Bering Sea
Gulf of Alaska
Labrador Sea
Irish Sea
North Sea
Baltic Sea
Sea of Okhotsk
Black Sea
Caspian Sea
Sea of Japan
Mediterranean Sea
Yellow Sea
East China Sea
North Pacific Ocean
Gulf of Mexico
Persian Gulf
Red Sea
Caribbean Sea
Arabian Sea
South China Sea
Philippine Sea
Celebes Sea
Sulu Sea
Gulf of Guinea
Java Sea
Banda Sea
Arafura Sea
Coral Sea
South Pacific Ocean
Indian Ocean
Tasman Sea
Scotia Sea
Southern Ocean
Weddell Sea
Amundsen Sea
Ross Sea

संसाधन एवं विकास

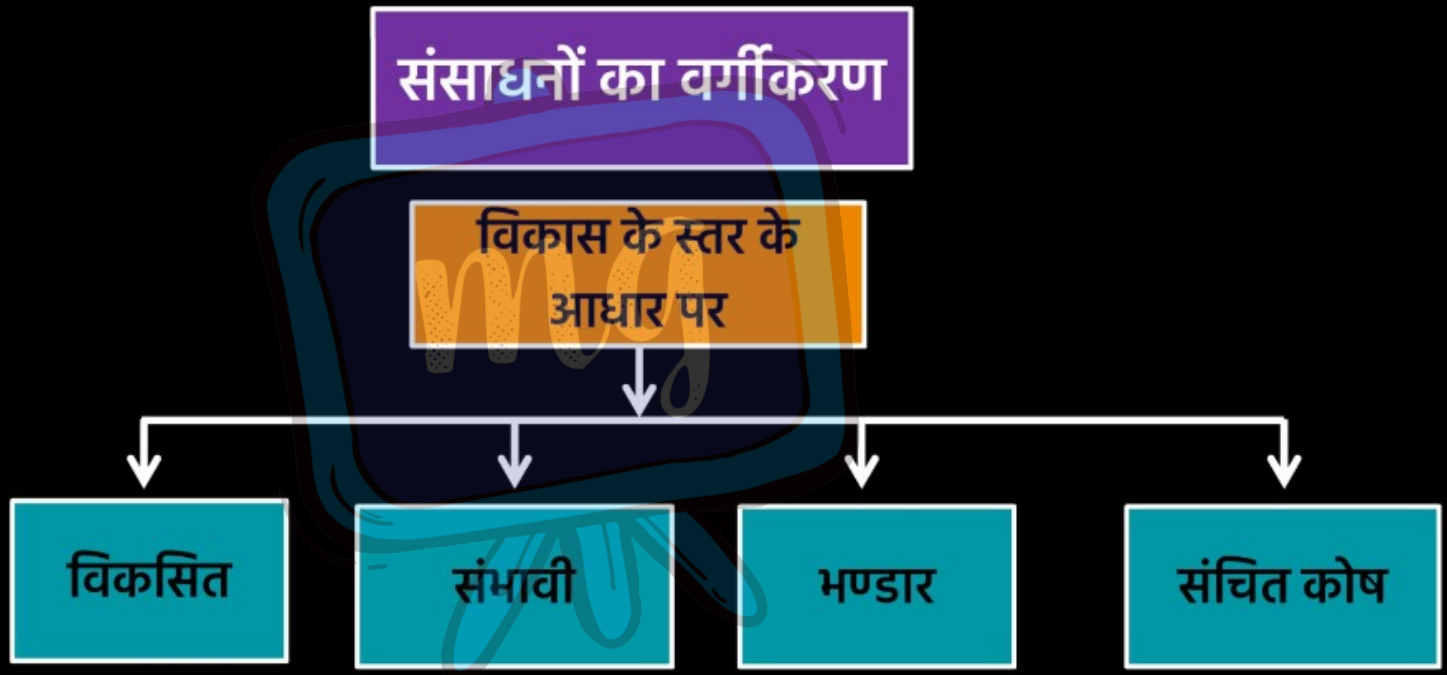

संसाधन एवं विकास



विकसित संसाधन

- वे संसाधन जिनका सर्वेक्षण किया जा चुका है और उनके उपयोग की गुणवत्ता और मात्रा निर्धारित की जा चुकी है।

जैसे :- कोयला, खनिज, पेट्रोलियम आदि।

संसाधन एवं विकास



संभावी संसाधन

- वे संसाधन जो किसी प्रदेश में विद्यमान होते है, परन्तु इनका उपयोग नहीं किया गया है।

जैसे:- भारत के पश्चिमी भाग में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की अपार उपलब्धता है परन्तु इनका सही ढंग से विकास नहीं हुआ है।

संसाधन एवं विकास



भण्डार

- पर्यावरण में उपलब्ध वे पदार्थ जो मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते है परन्तु उपयुक्त प्रौद्योगिकी के अभाव में उसकी पहुँच से बाहर है।

जैसे:- जल, दो गैसों (हाइड्रोजन और ऑक्सीजन) का यौगिक है, जिसे ऊर्जा के मुख्य स्त्रोतों के रूप में प्रयोग किया जा सकता है

लेकिन तकनीकी ज्ञान के अभाव में ऐसा संभव नहीं है।

संसाधन एवं विकास



संचित कोष

मौजूदा तकनीकी जानकारी की मदद से उपयोग में लाया जा सकता है लेकिन इसका उपयोग शुरू नहीं किया गया है

जैसे:- नदियों का पानी

संसाधन एवं विकास

संसाधन

- मनुष्य के जीवन यापन के लिए अति आवश्यक हैं
- जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भी महत्त्वपूर्ण हैं।

लेकिन, मानव ने इनका अंधाधुंध शोषण किया है, जिससे कई समस्याएँ पैदा हो गई हैं:-

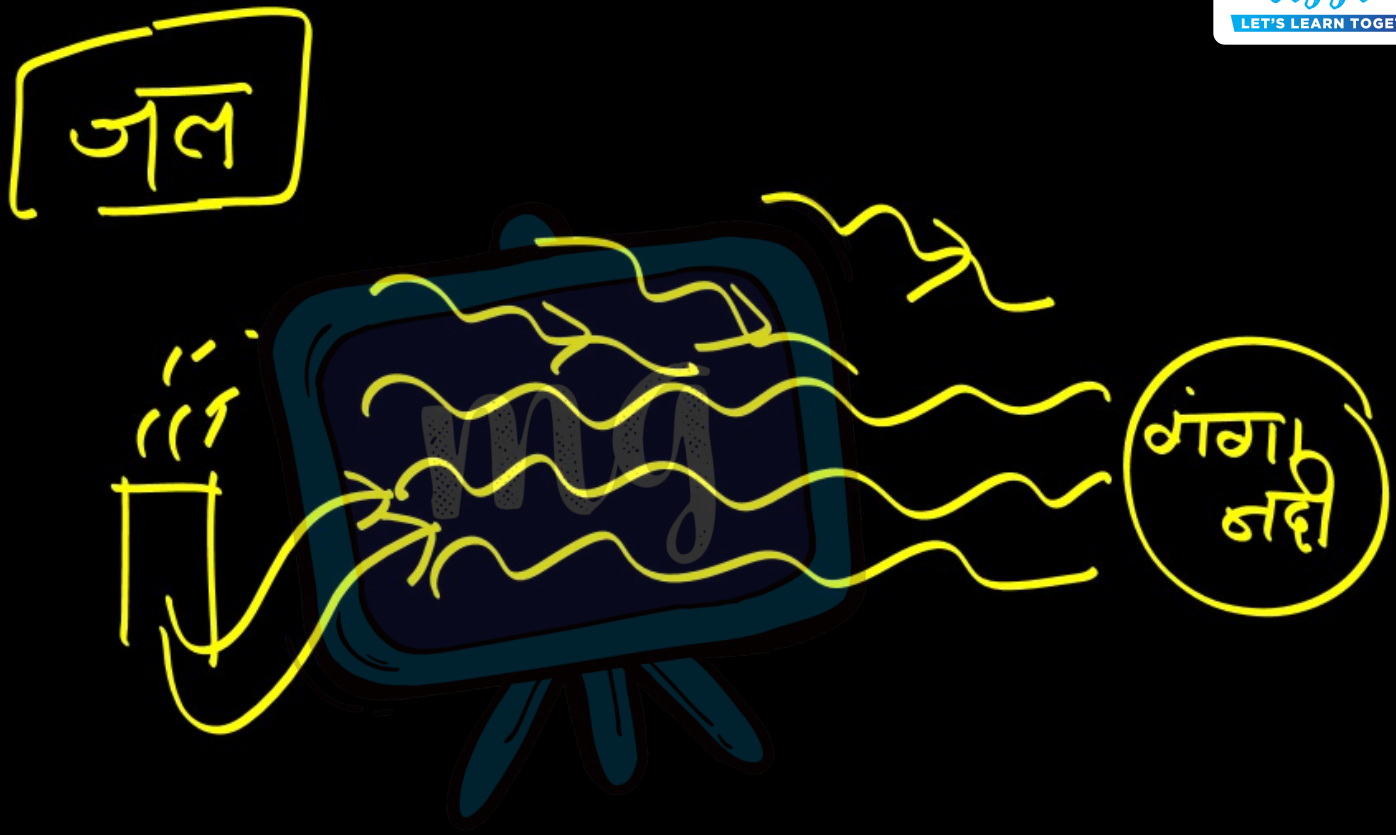
जल
गंगा नदी

संसाधन एवं विकास

- संसाधनों का ह्रास
- संसाधन समाज के कुछ ही लोगों के हाथ में आ गए हैं, जिससे समाज दो हिस्सों संसाधन संपन्न एवं संसाधनहीन (अमीर और गरीब) में बँट गया
- वैश्विक पारिस्थितिकी संकट पैदा हो गया है जैसे भूमंडलीय तापन, ओजोन परत अवक्षय, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि निम्नीकरण आदि

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

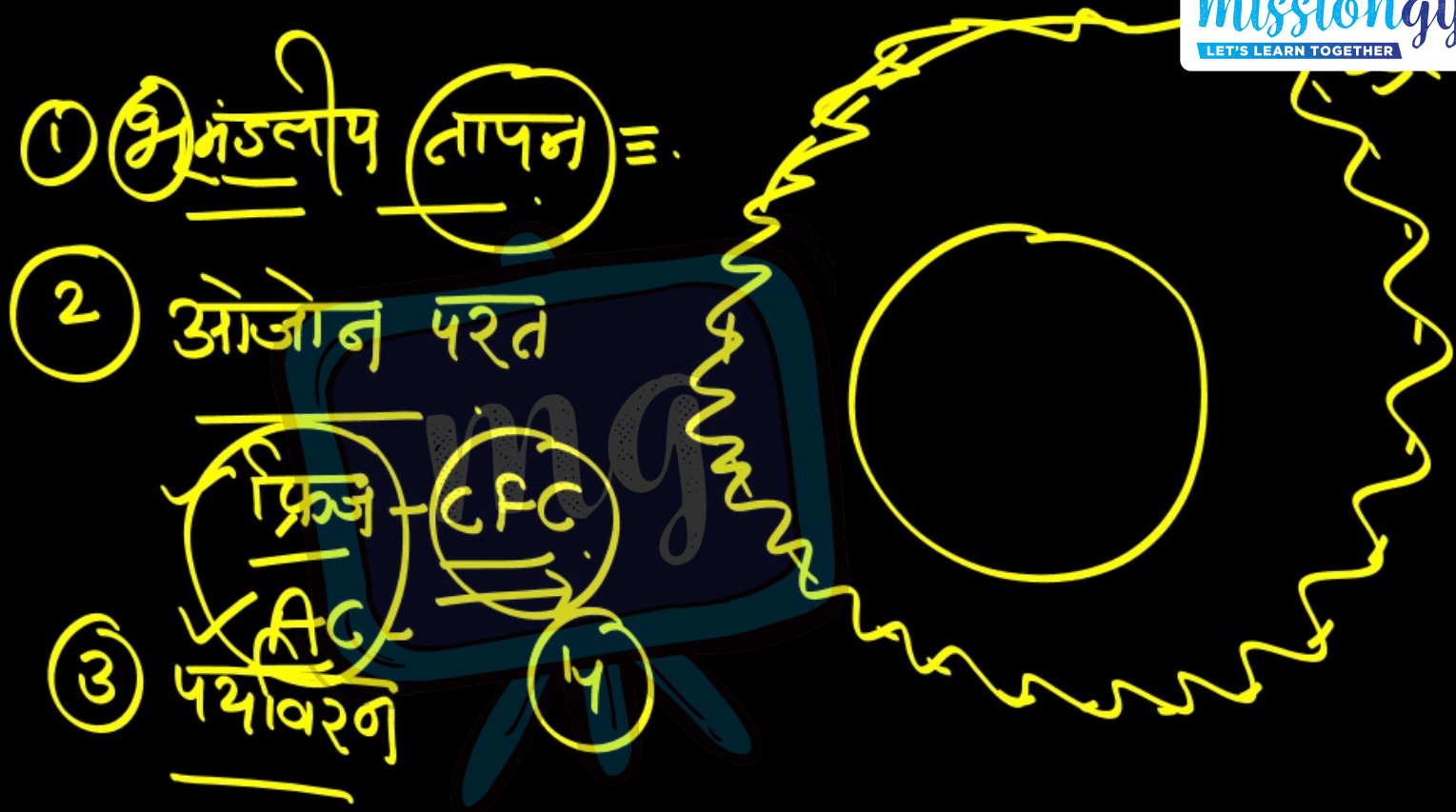

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधन एवं विकास

- मानव जीवन की गुणवत्ता और विश्व शांति बनाए रखने के लिए संसाधनों का समाज में न्यायसंगत बँटवारा आवश्यक है।
- यदि कुछ ही व्यक्तियों तथा देशों द्वारा संसाधनों का वर्तमान दोहन जारी रहता है, तो हमारी पृथ्वी का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।
- इसलिए, हर तरह के जीवन का अस्तित्व बनाए रखने के लिए संसाधनों के उपयोग की योजना बनाना अति आवश्यक है।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संसाधन एवं विकास

सतत पोषणीय विकास

ऐसा आर्थिक विकास जो:-

- पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए हो
- भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करे।